



पञ्चगुण्ड महाकायः सूर्यकोटि समप्रभः । निर्विक्रमं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

अर्थ :- हे सर्वेश्वर ! तू एक ही शक्ति का सूर्य की भाँति प्रकाशित हो । तू ही मेरी सहायता कर । तू ही मेरी सहायता कर । तू ही मेरी सहायता कर । तू ही मेरी सहायता कर । तू ही मेरी सहायता कर ।

आरती श्री गणेश जी की

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा । माता ज्योती पारंगती, भिन्न भेदोंवाला । एकदम दयालुता का भुजा धरी । पत्नी निम्नता सोहे, पुत्र की लक्ष्मी ।
 अम्भ में जल देता, बर्षा का देता । बालन को पुत्र देता, निर्धन को धन देता । गान बड़े, पल बड़े और बड़े देता । लहसुन का भोजन लेता, रत्न देने देता ।
 वीरन से लड़ा रहता, शत्रु दुष्ट का । बाण का पूरा करो, ज्यों बलिहारी । जो देता धन करे जान गिने वाला । जो बड़े जो मल धार्य में किताबें ।
 पञ्चगुण पूरा बनादि सोमिदं कविभिः जन्तुः फल पाक मन्त्रम् । जगत् सूर्य सोम विनायकगणः कवामि विनोदनाय पाद पैकलम् ॥

शुभ

लाभ



श्री चन्द्रम्



महालक्ष्मी नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य सुरेश्वरि । हरिप्रिये नमस्तुभ्य नमस्तुभ्य दयानिधे ॥

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ॐ नमः लक्ष्मी माता, (पैसा) नमः लक्ष्मी माता । तुमको नितानि रोकत हर-दिगु-पाता ॥ ॐ ॥
 उमा, रमा, इन्द्राणी तुम ही जग माता । पूरी चन्द्रमा, प्लवता, नारत अग्नि पाता ॥ ॐ ॥
 तुमों रूप निरञ्जनि, सुख-सम्पति-पाता । जो कोई तुमको जायत, अदि-मिदि-घन पाता ॥ ॐ ॥
 तुम पाताल-निवासिनी, तुम ही शुभ पाता । कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भयनिधि की ज्ञाता ॥ ॐ ॥
 जिस पर तुम रहती, तहाँ सब सपनुज आता । सब सम्भव हो जाता, मन भरी प्रवराता ॥ ॐ ॥
 तुम दिन मर न होते, जल न हो पाता । स्नान-पान का वैभव, सब तुमको ज्ञाता ॥ ॐ ॥
 शुभ-गुण-मन्दिर-सुन्दर, श्रीरोदधि-जाता । रत्न चतुर्दश तुम विन, कोई नहीं पाता ॥ ॐ ॥
 महालक्ष्मी (जी) की आरती, जो कोई जन पाता । घर आनन्द समाता, पाप छतर जाता ॥ ॐ ॥



ॐ सरस्वती जी की आरती

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता । सद्गुण वैभवं जालिनि, त्रिभुवन विख्याता ॥ मैया ...
 चन्द्रवदनी पद्मासिनि, ह्युति मंगलकारी । सोहे धूम हंस सवारी, अतुल तेजधारी ॥ मैया ...
 बाएँ कर में बीणा, दाएँ कर माला । शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोलियन माला ॥ मैया ...
 देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया । पैरी संहरा दासी, रावण संहार किया ॥ मैया ...
 विद्या ज्ञान प्रदायिनि, ज्ञान प्रकाश भरो । मोह, अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो ॥ मैया ...
 धूप दीप फल मेवा, मी स्वीकार करो । ज्ञानवशु दे माता, भव से उद्धार करो ॥ मैया ...
 मी सरस्वती जी की आरती, जो कोई जन गावे । हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे ॥ मैया ...
 जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता । सद्गुण वैभवं जालिनि, त्रिभुवन विख्याता ॥ मैया ...



स्तुति श्री रामचन्द्र जी की

श्री रामचन्द्र कृपाळु मनु मय, हरण भव भय राक्षसम् । नर ऋषीणां ज्ञेय मूल, वात वायु पद गजालम् ॥
 कन्दर्प अर्पणतः शक्तिः उचि, नयनोत्त नीरद सुन्दरम् । पद्मोद्गमनं गङ्गां लब्ध शक्ति, नोमि नरक सुतापम् ॥
 भक्त दीनानां विदेशः धातव, रत्नवशः किन्नरान् । रघुनाथ आनन्दकान्त, कोशलचन्द्र, रशायन नन्दम् ॥
 मिर मुकुट कुङ्कुम लिलक चारु उदार अग विभूषणम् । आकाशगुप्त धर धाम धर जगन्म मित सरसुषणम् ॥
 प्रति वरदा सुललीलाय शक्ति, रोग मुनि मा रोगम् । मम इत्ये कति निगम हृद, कामादि छलमल गेहम् ॥
 मनु जाहिं सचिद मिलहि सो, नर सत्त्व सुन्दर सौन्दर्ये । कल्याण सिंहास मुजल रात्रि, सनह जाना राक्षरी ॥
 प्रति भाति गौरि जगदीश मुनि, सिय प्रतिष्ठित लिय हारो अली । तुलसी भवार्चिद पुत्रि पुत्रिगुनि, मुहूर्त मन पवित्र चली ॥
 जानि गौरि अक्षरल मिय दिव हरपु न जाइ करि । मंगल मंगल मूल खाम अग करकन लो ॥

जय
धाराणी



गम गमति गमति, गमे गम मलो गमे। मल्लोनाम नत्तुल्यं, गमनाम वगानने॥

संस्थापक अध्यक्ष : श्री. अशोक कुमार
उपाध्यक्ष : श्री. राजेश कुमार

॥ इत्युक्तं श्री रामायणम् ॥

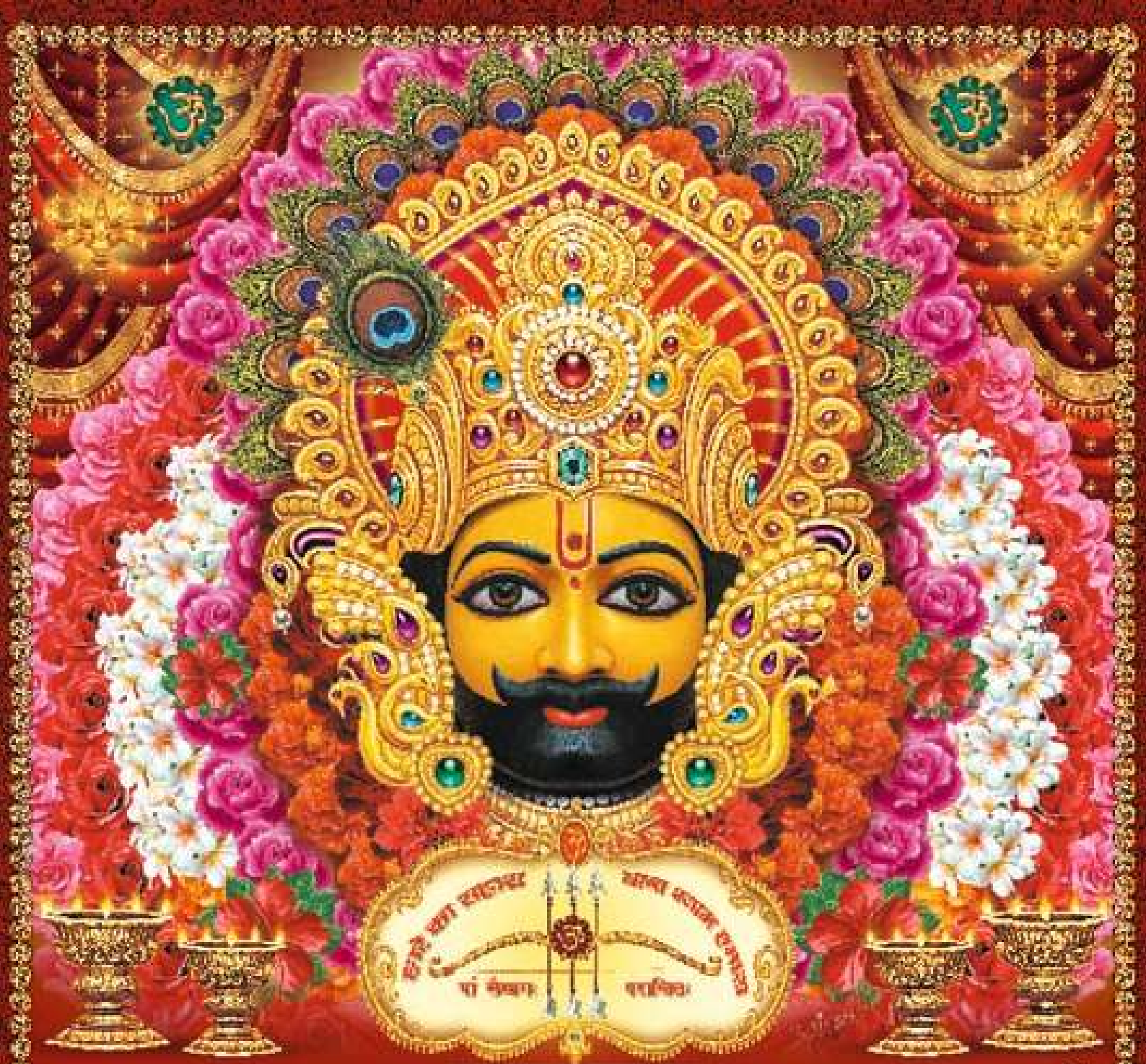
[illegible][illegible]

संस्कृत-संस्कृत-संस्कृत-संस्कृत

[illegible]

A portrait of a Hindu deity, likely Lord Venkateswara, adorned in elaborate golden jewelry and a crown, set against a dark background.

[illegible]



श्री श्याम बाबा जी की आरती

प्रणम करीबन है भवन भवन, कीर भवन फिर तन-बेलावन । गल विकर्षण-वदन धारि, कवि बाध करत धन धरि ॥
 त्रिप नंदन ने नाम प्रथम, ब्रह्म नंदन प्रथम या प्रथम । चरत में है बंधन नारी, धार ब्रह्म प्रथम अविनय ॥
 ॐ जय श्री श्याम हरे, ओ बाबा जय श्री श्याम हरे । स्वादु भाव विराजत, अनुपमा रूप धरे ॥ ॐ जय...
 रत्न जड़ित सिंहासन, गिर पर खेबर हरे । तन केशरिधा वानो, कुलकुल क्षयण धरे ॥ ॐ जय...
 गल पूर्ण की माला, गिर पर मुकुट धरे । खेलन रूप अंगन पर, दीपक ज्योति जो ॥ ॐ जय...
 मोदक गौर चुराया, मुखरण बाल धरे । सेवक योग लगावत, सेवा नित्य करे ॥ ॐ जय...
 झांडा कटोरा और चंदिकावल, शंख सुवंग धरे । भक्त आत्मी गावे, जय जयकार करे ॥ ॐ जय...
 जो ज्योति फल पावे, सब दुख से उचरे । सेवकजन निजमुख से, श्री श्याम लयाम उचरे ॥ ॐ जय...
 श्री श्याम ब्रह्मरी जी की आरती, जो कोई नर गावे । कहुत मनोहर स्वाधी, मनजोतिस्त फल पावे ॥ ॐ जय...
 ॐ जय श्री श्याम हरे, ओ बाबा जय श्री श्याम हरे । निज भक्तों के नाने, पूरण काज करे ॥ ॐ जय...
 देहा । श्याम मालेने छोटे, चंदरीक ननु धार । दुखन पूर्ण भक्त की, करो न मखे धार ॥



ੴ ਸਤਿ ਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਪੁਰਖੁ ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ
 ॐ ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ ਅਜੂਨੀ ਸੈਭੰ ਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥ ॐ

Ik Onkar Sat(i) nam(u) Karta-purakh(u) Nirbhau Nirvair(u) Akal-Murat(i) Ajuni Salbhang Gurprasad(i)

ੴ ਸਤਿ ਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਪੁਰਖੁ ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ ਅਜੂਨੀ ਸੈਭੰ ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥ ੴ



1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

[Home](#)
[About Us](#)
[Contact Us](#)
[Privacy Policy](#)



Abstract

100



THE JOURNAL OF THE



and the *Journal of the American Medical Association* (JAMA) (1997) 277:1001-1002.



THE NEW YORK PUBLIC LIBRARY



ਮਰਦਾਨ

५११॥ शरीररूप की की कर्तव्य ॥ १॥ अर्थात् की कर्तव्य ॥ १॥ अर्थात् की कर्तव्य ॥ १॥

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

